

819125

पञ्जाबली पेशे दूरी करे खाए भावाने दिनाई गइए
कहि घन्डील ए वही अनुपस्थित । कहि! पञ्जाबली
अपने घाजिरी अपने पेशे मे अशरित की जाती
है। पञ्जाबली केवल शुमार होकर सेवा में अर्थ
होकर वही लम्बील वास्तिक उपलब्ध



समाजसेवक अधिकारी
कसबो (राजपुर)